अमर उजाला
amarujala.com
बरेली • बुधवार, 24 जुलाई 2024

PAGE NO : 02TOP

जिले के पांच हजार से ज्यादा कैंसर मरीजों को इलाज में मिलेगी राहत

शहर में मुंह, ब्रेस्ट, सर्वाइकल कैंसर के ज्यादा मरीज, इलाज पर तीन लाख से ज्यादा खर्च

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। बजट में कैंसर की कुछ महंगी दवाओं को आयात शुल्क से छूट दी गई है। जो कैंसर मरीजों को सस्ता इलाज मुहैया कराने में सहायक साबित होगी। जिले में प्रतिवर्ष पांच हजार लोग कैंसर की चपेट में आ रहे हैं। इसमें मुंह, ब्रेस्ट और सर्वाइकल के मरीज ज्यादा हैं।

कैंसर विशेषज्ञ डॉ. पवन मेहरोत्रा के मुताबिक अव्यवस्थित जीवनशैली और खानपान से कैंसर मरीजों की तादाद बढ़ रही है। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में ही प्रतिवर्ष विभिन्न कैंसर रोगों की चपेट में करीब ढाई हजार मरीज मिल रहे हैं।

वहीं, जिले के कैंसर अस्पताल और मेडिकल कॉलेजों में यह तादाद प्रतिवर्ष करीब पांच हजार या इससे ज्यादा हो सकती है।

कैंसर की ट्रैस्टुजुमैब, डीरक्सटेकन, ओसिमरटिनिब, दुर्वालुमैब दवा को सीमा शुल्क से छूट दी है। यह दवाएं पहले भी सस्ती की गई थीं, जो अब और सस्ती होने से मरीजों की जेब पर बोझ कम होगा।

इसके अलावा मेडिकल एक्स-रे मशीनों में प्रयोग होने वाले एक्स-रे ट्यूब और फ्लैट पैनल डिटेक्टरों में बेसिक कस्टम ड्यूटी में भी बदलाव हुआ।

इससे एक्सरे उपकरण के निर्माण में लागत कम आने से उपकरण सस्ते होंगे। यह मरीजों की जांच की कीमत भी कम करने में सहायक होगा।

मेडिकल टूरिज्म व उपकरणों पर आयात शुल्क में रियायत न मिलने से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारी निराश

बेहतर सेवाओं की उम्मीदें अधूरी

आईएमए अध्यक्ष डॉ. राजीव गोयल का कहना है कि कैंसर दवा, एक्सरे के अलावा अन्य रोगों की दवा और उपकरणों पर सरकार से कोई छूट नहीं मिली। मेडिकल सेक्टर और चिकित्सकों के लिए भी कोई विशेष कदम नहीं उठाया गया। हालांकि, उद्योग, कृषि, आयकर आदि के लिए बेहतर बजट है। सस्ती स्वास्थ्य सेवा के लिए जरूरी मेडिकल टूरिज्म, मेडिकल उपकरण को आयात शुल्क से राहत, एम्स संस्थान बढ़ाने, ऑक्सीजन प्लांट में रियायत, ईटीपी-एसटीपी और डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हार्ट की बीमारियों की दवा पर विशेष भी छूट मिलनी चाहिए थी।

कैंसर की दवा कस्टम ड्यूटी से मुक्त होना अच्छी पहल है। रोजगार, कौशल विकास, खेती, उद्योग को बढ़ावा मिलने से बुनियादी ढांचे में मजबूती आएगी। - आदित्य मूर्ति, डायरेक्टर, एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

अंतरिम बजट में सरकार ने पहले ही काफी कुछ स्वास्थ्य क्षेत्र को दिया था। अब कैंसर की दवा सस्ती होने से तमाम मरीजों की जेब पर इलाज के लिए पड़ रहे बोझ से कुछ राहत मिलेगी। - डॉ. विनोद पागरानी

तेजी से बढ़ते कैंसर के इलाज के लिए केंद्र सरकार का फैसला सराहनीय है। बिना अतिरिक्त खर्च के बेहतर इलाज कराने में लोग सक्षम होंगे। - डॉ. पियूष कुमार, निदेशक, आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एसआरएमएस